

Kaushik ji

CTET

Central teacher eligibility test



Hindi
notes

Main target is 2021 CTET Exam clear "Give just one try to crack CTET Exam and fate will open the door of success for you" 👍

CTET NOTES Pedagogy subject

1. Child development and pedagogy
2. math
3. Environmental studies
4. Hindi
5. English

[हिंदी शिक्षण शास्त्र]

Topic

kaushik ji

CLASSTIME	Page No.
Date	

शिक्षण - Teaching

एक अनुभव व्यक्ति से ऐसे व्यक्ति में ज्ञान का स्थानांतरित जिसका अनुभव इस व्यक्ति से कम हो ;

- ↓ इसके लिए कई माध्यम का प्रयोग होता है
- ↓ शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग
- ↓ सूत्रों का उपयोग किया जाता है

शिक्षण → (ती-आयामी)

- ① आध्यात्म
 - ② छत्र
 - ③ विषय-वस्तु
- (जॉन डीवी) ने दिया था

भाषा शिक्षण के सिद्धांत

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| ① क्रियाशीलता का सिद्धांत | शिक्षण सूत्र |
| ② रुचि का " | |
| ③ अभिव्यक्ति का " | |
| ④ जीवन से जोड़ने का " | |
| ⑤ वैयक्तिक विभिन्नता का सिद्धांत | |
| ⑥ लोकतांत्रिक मूल्यों का " | |
| ⑦ स्वाभाविक का " | |
| ⑧ आवृत्ति का " | |
- | |
|------------------------------|
| ① ज्ञात से अज्ञात की ओर |
| ② मूर्त से अमूर्त की ओर |
| ③ सरल से जटिल की ओर |
| ④ पूर्ण से अंश की ओर |
| ⑤ विश्लेषण से संश्लेषण |
| ⑥ प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की |
| ⑦ विशिष्ट से सामान्य की ओर |

- * भाषा शिक्षक की जिम्मेदारी → बच्चों का भाषा के विविध स्वरूपों और उपयोगों से परिचित बनाना
- * हिंदी भाषा शिक्षक को सह स्वीकार करना चाहिए कि गलतियाँ सीखने सीखाने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा हैं
- * भाषा शिक्षक को स्वयं अपनी भाषा प्रयोग की क्षमता को बढ़ाना चाहिए क्योंकि भाषा प्रयोग कक्ष में भाषा वातावरण का निर्माण करता है

१ श्रवण कौशल - Listening skills

• स्वनि का कानो तक पडना ।

• अर्थ ग्रहण

• प्रयोग

४ श्रवण कौशल को विकसित करने की विधियाँ -

- (१) सस्वर वाचन (२) पुनरावृत्ति विधि (३) कहानी सुनना
(४) श्रुतलेख (५) भाषण (६) वाद-विवाद

२ मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (वेबल स्पेकिंग)

• अभिव्यक्ति करने का तरीका

- विकसित विधियाँ -> (१) सस्वर वाचन (२) कविता पाठ
(३) चित्रण वर्णन (४) संवाद (५) वाद-विवाद, भाषण, नाटक

३ वाचन/पढ़न कौशल (पढ़ना) Reading

सोपान -> (१) प्रत्यक्षीकरण - वर्णों का पहचानना

(२) अर्थग्रहण -> पढ़ कर समझना

(३) प्रयोग -> उसको प्रयोग करना

पढ़न के प्रकार

- (१) सस्वर वाचन (२) मौन वाचन (silent)

(१) व्यक्तिगत वाचन (२) सामूहिक वाचन

(१) गहन अध्ययन (२) छुट वाचन

[वाचन शिक्षण की विधियाँ]

- (१) वर्ण विधि (२) शब्द विधि (३) वाक्य विधि (४) कविता विधि

(५) लिखित/लेखन कौशल

- (१) सुलेख (२) अनुलेख (३) श्रुतलेख

- * भाषा - शिक्षक की भूमिका में महत्वपूर्ण यह है कि वह → पाठ्यपुस्तक की सीमा से स्वतंत्र होकर विविध संदर्भों में भाषा के प्रयोग को महत्व दे।
- * भाषा शिक्षक के रूप में आपके लिए महत्वपूर्ण है कि → बच्चों द्वारा वैश्विक भाषा प्रयोग करवाना आपकी दृष्टि में अभ्यास → पाठ को समझने में मदद करता है।
- * हिंदी भाषा शिक्षक का यह प्रयास होना चाहिए कि वह → बच्चों की भाषा संबंधी सहज रचनाशक्ति को बढ़ाने के अवसर दे।
- * एक भाषा अध्यापक को बच्चों में - [विविध संदर्भों] में भाषा प्रयोग पर बल देना चाहिए।
- * कक्षा में दृष्टिगत बच्चे हैं तो आप → उन्हें पढ़ने के उपयुक्त साधन देंगे -
- * अलग-अलग तरह की सामग्री पढ़ने के अवसर मिलने से → भाषा के [विविध संदर्भों] में प्रयोग करने की क्षमता बढ़ती है।

भाषा कौशल (Language Skill)

- भाषा कौशल: (LSRW)
- ① सुनना : श्रवण कौशल
 - ② बोलना : मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
 - ③ पढ़ना : वाचन कौशल
 - ④ लिखना : लिखित लेखन कौशल

(Passive Skill)

गहनभाषात्मक कौशल → ① पढ़ना ② सुनना

अभिव्यक्ततात्मक कौशल → ③ बोलना ④ लिखना
(Active Skill)

भाषा कौशल को सीखने का मनोवैज्ञानिक क्रम है

- ① सुनना ② बोलना ③ पढ़ना ④ लिखना

हिंदी शिक्षण शास्त्र (CTET)

Kaushik J.

CLASSTIME Page No.

Date

- बच्चा की भाषा क्षमता के विकास में सर्वाधिक सहायक है → अपसारी चिन्तन का उपयोग (डाल डाल का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ)
- प्राथमिक स्तर पर भाषाई क्षमताओं का विकास साह्य है और साहित्य साधन है।

[भाषा शिक्षण का महत्व एवं आवश्यकता]

1. ज्ञानात्मक कारण
2. कौशलात्मक कारण
3. रसात्मकता
4. सृजनात्मकता

* शिक्षण सहायक सामग्री → ① Auditory ② Visual ③ Kinesthetic
श्रवण दृश्यात्मक गत्यात्मक

→ भाषा किसी भी पाठ को समझने के लिए हम जिस प्रकार की सामग्री का इस्तेमाल करते हैं वह भाषा शिक्षण सहायक सामग्री कहलायेगी।

I. शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक को अधिगम (सीखना) होती है।

II. अधिगम की प्रक्रिया में शिक्षक विविध एवं विभिन्न शिक्षण के सिद्धांत, शिक्षण पद्धतियों एवं विधियों द्वारा अधिगम कराता है। बहुत अत्यंत उपयोगी है सहायक सामग्री।

III. शिक्षण सहायक सामग्री शिक्षण का वह साधन है जिससे शिक्षार्थियों को किसी विषय का अधिगम करना बहुत आसान हो जाता है।

(शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व)

- ① ये शिक्षण को प्रभावशाली व ज्ञान को स्थिर बनाते हैं,
- ② उनके उपयोग से नीरसता खत्म हो जाती है।
- ③ जीर्ण और सूक्ष्म ज्ञान को समझा जा सकता है।
- ④ अनुभव प्राप्त होता है। ज्ञान को स्थायी बनाने में मदद करता है।
- ⑤ सक्रिय रहते हैं। ज्ञानेधियां शामिल होती हैं। उत्सुकता बढ़ती है।

भाषायी विकार / Learning Disabilities

- ① अफेसिया (Aphasia) → अफेसिया एक सुने संबंधी एक भाषा अधिगम विकार है -
(पठन सम्बन्धी विकार)
- ② डिस्लेक्सिया (Dyslexia) → डिस्लेक्सिया एक भाषा सम्बन्धी अधिगम विकलंगता है। यह मुख्य रूप से पढ़ी या लिखित या लिखत भाषा के पढ़ने में कठिनाइयों के रूप में होता है।
- ③ डिस्ग्रैफिया (Dysgraphia) → इस प्रकार की अक्षमता से सम्बंधित बालकों को मुख्यत लिखना में अक्षमता उत्पन्न होती है।

[भाषायी कौशल के प्रश्न]

- प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा का अकलन करने का उद्देश्य → भाषा प्रयोग की क्षमता का अकलन
- पहली कक्षा में (चित्र बनाना) की लिखने के अंगीकृत आता है।
- प्राथमिक स्तर पर पढ़ना सीखने में सबसे कम महत्वपूर्ण है → अक्षरों की पहचान
- मौखिक अभिव्यक्ति में सबसे कम प्रभावी :- कहानी को शब्दशः दोहराना
- मीता ने सभी बच्चों को एक अनुच्छेद दिया जिसमें हर व पाँचवें शब्द की जगह रिक्त स्थान था, जिसे बच्चों को भरना था → (क्लोज परीक्षण) में आता है
- बच्चों में (रेखांकन) और (चित्रांकन) के माध्यम से लेखन कौशल का विकास किया जा सकता है।

मूल्यांकन एवं उपचारात्मक शिक्षण

मूल्यांकन → मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा अधिगम की उपलब्धि का पता लगाया जाता है।

① आकलन ② मापन

[मूल्यांकन के उद्देश्य]

- (i) छात्रों की उपलब्धि का पता लगाना।
- (ii) छात्रों के विकास को निरंतर गति देना।
- (iii) छात्रों के योग्यताओं, कुशलताओं, रुचियों आदि का पता लगाना।
- (iv) छात्रों की कीर्तियाँ, कमलताओं और असफलताओं का पता लगाना।
- (v) अध्यापन, अध्यापन के अभाव वाले बनना।

[सतत एवं व्यापक मूल्यांकन]

• शिक्षार्थी का सतत मूल्यांकन तीन प्रकार से होता है।

- ① निदानात्मक मूल्यांकन → उपचारात्मक शिक्षण
- ② रचनात्मक मूल्यांकन → FA - Feedback Progress
- ③ संकल्पनात्मक मूल्यांकन → SA → Judge, Achievement

[व्यापक मूल्यांकन]

समग्र रूप से आकलन / सभी पक्ष शामिल हैं।

① शैक्षिक प्रक्रिया (मूल्यांकन) ② सह शैक्षिक प्रक्रिया (मापन)

- | | |
|--|---|
| 1. व्यापक होता है। | 1. मापन किसी एक गुण/चर का होता है। |
| 2. आकलन के बाद होता है। | 2. यह मूल्यांकन से पहले होता है। |
| 3. अविव्यवहारी सम्भव है। | 3. अविव्यवहारी सम्भव नहीं। |
| 4. मूल्यांकन स्थिति आधारित होता है। | 4. यह संकट आधारित होता है। |
| 5. मूल्यांकन में बहुरंगीय तथ्य का मूल्यांकन। | 5. मापन में बहुरंगीय या तथ्य के विभिन्न परिभाषाओं के लिए उतिक निश्चित किए जाते हैं। |

शिक्षण सहायक सामग्री के प्रकार

- | | | | |
|---------------------|------------------|-------------------|--------------------------|
| (1) दृश्य सामग्री | (2) श्रव्य | (3) दृश्य-श्रव्य | (4) क्रिया सहायक सामग्री |
| (i) श्यामपट्ट | (i) रेडियो | (i) विडियो प्लेयर | (i) कान वास्तविक |
| (ii) चार्ट मानचित्र | (ii) ऑडियो कैसेट | (ii) टेलिविजन | (ii) आई-2 बीजी का अध्ययन |
| (iii) OHP | (iii) रिकॉर्डिंग | (iii) फिल्म | (iii) व्यक्तिगत अनुभव |
| (iv) समाचार-पत्र | | | |

भाषा प्रयोगशाला (Language Labs)

- (i) उच्चारण समस्या को दूर करने के लिए
- (ii) विडियो के माध्यम से
- (iii) सही तरीके से भाषा प्रयोग के लिए होता है

पाठ्यपुस्तक

- (1) बहुत गुण (2) एक संसाधन है (3) आंतरिक गुण
- देखने में सुंदर
- मनोवैज्ञानिक तरीके से बना है

बाल साहित्य

- (i) बच्चों को भाषा सीखने में मदद करता है
- (ii) रुचि जागृत होती है
- (iii) समग्र रूप से देखने के चिंतन / कल्पना शक्ति

बहुभाषिकता

- (i) बहुभाषिकता को संसाधन के रूप में इस्तेमाल करना
- (ii) बच्चों की भाषा प्रयोग को स्वीकार करना
- (iii) मिला हुआ दृष्टि दिखता है

[राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005]

- * प्राथमिक स्तर की शिक्षा मुख्यतः भाषा शिक्षण है
- * आरम्भिक स्तर के गणित, समाज एवं परिवेश का ज्ञान भी मातृभाषा के माध्यम से सबसे अच्छे ढंग से आसानी से कर सकते हैं।
- * प्राथमिक स्कूल में शिक्षण का माध्यम सीखने वाले की मातृभाषा होनी चाहिए, अनुभविक, अधिक्त, सखानात्मक स्तर अच्छा होता है।
- * जहाँ योग्यता प्राप्त शिक्षक और पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाएँ उपलब्ध हों वहाँ प्रथमिक स्तर से ही अंग्रेजी पढ़ाई जा सकती है, मुख्यतः प्रथम दो साल में मौखिक, प्रत्यक्ष कुशलता वातचीत पर ही होना चाहिए।
- * घर में बोली जाने वाली, दोस्तों के बीच व पड़ोस की भाषाओं तथा स्कूल में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा के बीच के फास को पार करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।
- * पाठ्यचर्चा - निर्माताओं - पाठ्यपुस्तक - लेखकों और शिक्षक विभिन्न भाषाओं और विषयों के बीच सम्यक सुत्र स्थापित करने का भरपूर प्रयास करना चाहिए।
- * शिक्षण का मुख्य उद्देश्य -> विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना
- * भाषा अध्यापन करने और सीखना -> दो गिठन सम्पन्न होना है।
- * माध्यम की विधि - प्रयोग करके / अवलोकन / सामूहिक विधि

हिंदी शिक्षण शास्त्र (CCE)

(सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का महत्व)

- ① शैक्षिक, गैर शैक्षिक दोनों पक्षों का मूल्यांकन होता है
- ② कमजोरी का पहचान कर उसका निदान करना।
- ③ उपलब्धि स्तर को निरंतर बनाये रखने व ऊँचा उठाने के प्रेरित करता है।
- ④ शिक्षण विधि का प्रयोग का शिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।
- ⑤ सर्वांगीण विकास पर बल देता है।

(CCE की तकनीक)

- ① साक्षात्कार ② निरीक्षण ③ दृष्ट कार्य
- ④ पोर्टफोलियो ⑤ चैक लिस्ट ⑥ परीक्षण

(प्रश्नों के प्रकार)

- ① वस्तुनिष्ठ ② अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न
- ③ लघु उत्तरात्मक प्रश्न ④ निबंधात्मक प्रश्न

(एक अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ)

- ① वैधता ② विश्वसनीयता ③ वस्तुनिष्ठता
- ④ मानकता ⑤ व्यावहारिता

[निदानात्मक परीक्षण]

- ① समस्या का पता लगाना।
- ② निदान Diagnostic करना है।

[उपचारात्मक शिक्षण] Remedial Teaching

- ① निदानात्मक परीक्षण के बाद आता है।
- ② समस्या के समाधान का उपाय किया जाता है।

[हिंदी शिक्षण गुरु]

Date

Page No.

भाषा

कम महत्वपूर्ण भाषा सीखने सीखाने में भाषा का अभाव कम महत्वपूर्ण

संप्रेषण का माध्यम (सबसे महत्वपूर्ण)

↓ प्रकार्य (function)

समग्रतावादी दृष्टिकोण से देखना चाहिए

ज्ञान - सूजन (संज्ञान)

भावित्व को निखारने का काम करती है

[भाषा के विविध रूप]

1. मातृभाषा → परिवार की भाषा (अर्जित) करते हैं 1st language
2. राष्ट्रभाषा → जिस भाषा से देश का काम चला चला है
3. राजभाषा → बहुभाषी देश है → भारत कोई राष्ट्र भाषा नहीं है, हिंदी राज भाषा है

OLA → Official language Act - 1963

(हिंदी)

हिंदी - अनु. - 343(1)

Associated language (English)

अंग्रेजी 343(2)

[त्रिभाषा सूत्र]

कोठारी कमीशन - 1964-66 उन्होंने त्रिभाषा सूत्र प्रस्तावित किया

जिस देश में हिंदी बोली जाती है वहाँ तीन भाषा पढ़ाएंगे

① मातृ भाषा

② Eng

③ MIZ

आधुनिक भाषा

modern Indian Language

जिस देश में हिंदी नहीं बोली जाती वहाँ त्रिभाषा सूत्र

① मातृ भाषा

② हिंदी भाषा

③ अंग्रेजी या कोई भाषा

[भाषा - अर्जन/अर्जित]

बिना शिक्षा प्रणाली/सकुल/किताब के नये भाषा को अर्जित कर लेते हैं → (सहजता पर्यावरण)

→ अचेतन प्रक्रिया

→ मातृ भाषा - (पहली भाषा होती है)

→ अपने आप सीखता है

→ प्राकृतिक रूप से

भाषा - अधिगम (Learning)

- भाषा को अर्जित किया जाता है य विरासत में हम नहीं मिलता
स्थायित्व नियम / स्कूल / शिक्षक / पुस्तक सब इसमें शामिल
होते हैं अधिगम के लिए, क्योंकि यह सिखाया जाता है
इसके लिए समूह अधिक परिकर की आवश्यकता होती है

अधिगम और अर्जन में अंतर

अर्जन	अधिगम
अचेतन प्रक्रिया है	चेतन
प्राकृतिक/स्वाभाविक	नियमबद्ध
परिवेश (प्राकृतिक) सह प्रक्रिया	इसमें सीखने के लिए सब चीजें शामिल होती हैं,

- बच्चे अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हुए अपनी बात कहते
हैं यह बात [स्वाभाविक] होती है [इसमें नियम नहीं होता]
→ भाषा सीखने और अर्जित करने में मुख्य अंतर → [उपलब्ध परिवेश]
→ प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा सीखाने के लिए सबसे
अधिक → [कक्षा में पिट समुच्च परिवेश] की जरूरत होती है
→ बच्चे बोल-चाल की भाषा का अनुभव लेकर विद्यालय आते
हैं → बच्चों के अनुभवों का उचित प्रयोग किया जाए।
→ भाषा सीखने सीखाने में सबसे अधिक महत्वपूर्ण → सामाजिक अंतः क्रिया

[जीन पियाजे → अहमकेंद्रित चर] → 2-6 वर्ष

- संज्ञानात्मक विकास के साथ भाषा विकास भी होता है।
→ दोनों भाषा और संज्ञान एक दूसरे पर निर्भर हैं

(लेव वाइगोत्सकी) → सामाजिक अंतः क्रिया

- बालक भाषा अपने परिवेश से अंतः क्रिया करते हुए सीखता है
→ इसके अनुसार (जिन भाषा) बालक के संज्ञानात्मक विकास में
सहायक होती है
→ इसमें बच्चा खुद से बात करता है (व्यक्तिगत वार्ता)
→ वाइगोत्सकी ने भाषा विकास को → (समज-सांस्कृतिक) परिप्रेक्ष्य
प्रस्तुत किया है